कार के परिवर्तनों (ओ. एल. टी. सी.) का उपयोग नहीं किए जाने से ये उन ट्रांसफार्मरों को दोषपूर्ण बना देते हैं।

8. वोल्टेज को अस्थिरता से बचने के लिए स्वचालित प्रणाली का डिजाइन करते समय भार सम्प्रेषण केन्द्रों के लिये महत्वपूर्ण डाटा की टेलीमीटरी पूर्व अपेक्षित है। जब तक प्रेषण केन्द्रों का आधुनिकीकरण नहीं किया जाता है तब तक विद्युत उत्पादन में वोल्टता की अस्थिरता का सामना करने के लिए लोड शेडिंग तथा रि-शिड्यूलिंग का सहारा लिया जाता रहेगा।

9. सभी 132 के. वी. लाइनों तथा 132/एल.वी. ट्रांसफार्मरों में एम. वी. ए. आर. मीटर होने चाहियें क्योंकि प्रणाली संबंधी अध्ययन कार्यों हेतु इस समय वास्तविक प्रतिक्रियाशील विद्युत संबंधी आंकड़े प्राप्त करने में बधाएं आ रही हैं।

10. अधिक उतार-चढाव (ओवर-फ्लक्सिंग) वितरण ट्रांसफार्मरों के खराब होने का एक प्रमुख कारण है तथा इसके बारे में निर्माताओं से बातचीत की जानी चाहिये ताकि ट्रांसफार्मरों की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।

11. ट्रांसफामरों में "लघुपथन" संबंधी जांच आवश्यक रूप से कराई जानी चाहिये।

12. पूर्णत: स्वत: सुरक्षित (सी. एस. पी.) ट्रांसफार्मरों पर समन्वय संबंधी जांच आवश्यक रूप से करवाया जाये।

13. सोलिड स्टेट एनर्जी मीटरों के लिए मानक के निर्धारण को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाना बनाया जाए।

World Bank for new power projects

159. SHRI BISHAMBHAR NATH PANDE: Will the Minister of POWER be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 225 given in the Rajya Sabha on the 24th November, 1992 and state whether Government have approached the World Bank for financing, New power projects?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): Discussions are being held with the World Bank for seeking financial assistance for NTPC under a time slice arrangement for its various projects and for the Power Grid Corporation of India for certain transmission lines. Since under this arrangement, there is flexibility in the list of projects for which financing could be utilised, project selection would,, inter alia, depend on the readiness in terms of availability of clearances etc.

Capacity utilisation in different power sectors

160. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) what are the details of the capacity utilisation in different power sectors during the first half of the current financial year and how do these compare with the figures of corresponding period during the last two years; and

(b) what steps are being contemplated by Government to improve the capacity utilisation of power plants?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (SHRI P. V. RANGAYYA NAIDU): (a) The details of capacity utilisation PLF of thermal and Nuclear Power Stations in the different power sectors during the period April-